हिन्दी

(वसंत)(पाठ 9)(एक तिनका)
(कक्षा 7)

प्रश्न अभ्यास

कविता से

प्रश्न 1:

नीचे दी गई कविता की पंक्तियों को सामान्य वाक्य में बदलिए।

जैसे एक तिनका आँख में मेरी पड़ा – मेरी आँख में एक तिनका पड़ा।

मूँठ देने लोग कपड़े की लगे – लोग कपड़े की मूँठ देने लगे।

उत्तर 1:

कः एक दिन जब था मुंडेरे पर खड़ा

कः एक दिन मैं मुंडेर पर खड़ा था ।

खः लाल होकर आँख भी दुखने लगी

खः मेरी ऑख लाल होकर दुखने लगी ।

गः ऐंठ बेचारी दबे पाँवों भगी

गः मेरी ऐंठ दबे पॉव भाग गई ।

घः जब किसी ढब से निकल तिनका गया

घः किसी तरह से तिनका निकल गया ।

प्रश्न 2:

एक तिनका' कविता में किस घटना की चर्चा की गई है, जिससे घमंड नहीं करने का संदेश मिलता है?

उत्तर 2:

एक तिनका कविता में एक व्यक्ति के ऑख में तिनका गिरने की चर्चा की गई है जिसके द्वारा उसे यह अहसास कराया गया है कि कोई कितना भी बड़ क्यों न हो जाए एक छोटी सी वस्तु भी उसे यह बताने के लिए काफी है वह भी उसकी अकड़ को निकाल सकती है ।

प्रश्न 3:

आँख में तिनका पड़ने के बाद घमंडी की क्या दशा हुई ?

उत्तर 3:

ऑख में तिनका पड़ने के बाद घमंडी दर्द से बेचैन हो गया उसकी ऑख भी लाल होकर दुखने लगी ।तब उसकी समझ ने उसे ताने देते हुए कहा कि एक छोटे से तिनके ने तेरी अकड़ को निकाल दिया ।

प्रश्न 4:

घमंडी की आँख से तिनका निकालने के लिए उसके आसपास लोगों ने क्या किया ?

उत्तर 4:

घमंडी की ऑख से तिनका निकालने के लिए उसके आसपास के लोगों ने उसकी ऑख में कपड़े की मूँठ बनाकर लगाई ओर तिनका निकाल दिया ।

प्रश्न 5:

'एक तिनका' कविता में घमंडी को उसकी 'समझ' ने चेतावनी दी –

ऐंठता तू किसलिए इतना रहा,
एक तिनका है बहुत तेरे लिए।

इसी प्रकार की चेतावनी कबीर ने भी दी है –

उत्तर 5:

तिनका कबहूँ न निंदिए, पाँव तले जो होय।
कबहूँ उड़ि आँखिन परै, पीर घनेरी होय।।

अनुमान और कल्पना

प्रश्न 1.
इस कविता को कवि ने 'मैं' से आरंभ किया है- 'मैं घमंडों में भरा ऐंठा हुआ'। कवि का यह 'मैं' कविता पढ़ने वाले व्यक्ति से भी जुड़ सकता है और तब अनुभव यह होगा कि कविता पढ़ने वाला व्यक्ति अपनी बात बता रहा है। यदि कविता में 'मैं' की जगह 'वह' या कोई नाम लिख दिया जाए, तब कविता के वाक्यों में बदलाव की जाएगा। कविता में 'मैं' के स्थान पर 'वह' या कोई नाम लिखकर वाक्यों के बदलाव को देखिए और कक्षा में पढ़कर सुनाइए।

उत्तर-
वह घमंडों में भरा ऐंठा हुआ।
एक दिन जब था मुँडेर पर खड़ा
आ अचानक दूर से उड़ता हुआ,
एक तिनका आँख में उसकी पड़ा
वह झिझक उठा, हुआ बेचैन-सा
लाल होकर आँख भी दुखने लगी।
मूठ देने लोग कपड़े की लगे,
ऐंठ बेचारी दबे पाँवों भगी।।
जब किसी ढब से निकल तिनका गया,
तब उसकी 'समझ' ने यों उसे ताने दिए।
ऐंठता तू किसलिए इतना रहा,
एक तिनका है बहुत तेरे लिए।

प्रश्न 2.
नीचे दी गई पंक्तियों को ध्यान से पढ़िए-
ऐंठ बेचारी दबे पाँवों भगी,
तब 'समझ' ने यों मुझे ताने दिए।
• इन पंक्तियों में ऐंठ' और 'समझ' शब्दों का प्रयोग सजीव प्राणी की भाँति हुआ है। कल्पना कीजिए, यदि 'ऐंठ' और 'समझ' किसी नाटक में दो पात्र होते तो उनको अभिनय कैसा होता?

उत्तर-
ऐंठ और समझ
समझ-ऐंठ! इतना ऐंठती क्यों हो?
ऐंठ-समझ! यह तेरी समझ से बाहर की बात है।
समझ-ऐसी कौन-सी बात है जो मेरी समझ में नहीं आती।
ऐंठ-समझ तेरी समझ में यह नहीं आता कि यदि मनुष्य सुंदर हो, धनवान हो, समाज में ऊँचा स्थान रखता हो तो उसे अपने ऊपर घमंड आ ही जाता है।

समझ-नहीं! ऐंठ, कभी घमंड नहीं करना चाहिए क्योंकि यह सब तो क्षणभंगुर है कभी भी नष्ट हो सकता है। लेकिन मनुष्य की विनम्रता उसकी परोपकार की भावना व हँसमुख स्वभाव कभी नष्ट नहीं होता।
(इतने में ऐंठ की आँख में एक तिनका उड़कर पड़ गया।)
समझ–ऐंठ। इतना तिलमिला क्यों रही हो?
ऐंठ-न जाने कहाँ से आँख में तिनका आकर पड़ गया है। मैं तो बहुत बेचैन हो रही हूँ ।
समझ-अब तुम्हारी घमंड कहाँ गया? एक छोटे से तिनके से तिलमिला उठीं।
ऐंठ-मुझे क्षमा करो 'समझ'। अब मैं कभी अपने पर घमंड नहीं करूंगी।

प्रश्न 3.
नीचे दी गई कबीर की पंक्तियों में तिनका शब्द का प्रयोग एक से अधिक बार किया गया है। इनके अलग-अलग अर्थों की जानकारी प्राप्त करें।
उठा बबूला प्रेम का, तिनका उड़ा अकास।
तिनका-तिनका हो गया, तिनका तिनके पास॥

उत्तर-
जिस प्रकार के झोंके से उड़कर तिनके आसमान में चले जाते हैं और सभी तिनके बिखर जाते हैं उसी प्रकार ईश्वर के प्रेम में लीन हृदय सांसारिक मोह-माया से मुक्त होकर ऊपर उठ जाता है। वह आत्मा का परिचय प्राप्त कर परमात्मा से मिल जाता है, यानी उसे अपने अस्तित्व की पहचान हो जाती है और सभी प्रकार की बाधाओं से मुक्त होकर ईश्वर के करीब पहुँच जाता है। यानी आत्मा का परमात्मा से मिलन हो जाता है।

भाषा की बात

* 'किसी ढब से निकलना' का अर्थ है किसी ढंग से निकलना। 'ढब से' जैसे कई वाक्यांशों से आप परिचित होंगे, जैसे-धम से वाक्यांश है लेकिन ध्वनियों में समानता होने के बाद भी ढब से और धर्म से जैसे वाक्यांशों के प्रयोग में अंतर है। 'धम से', 'छप से' इत्यादि का प्रयोग ध्वनि द्वारा क्रिया को सूचित करने के लिए किया जाता है। नीचे कुछ ध्वनि द्वारा क्रियों को सूचित करने वाले वाक्यांश और कुछ अधूरे वाक्य दिए गए हैं। उचित वाक्यांश चुनकर वाक्यों के खाली स्थान भरिए-

छप से
टप से
थर्र से
फुर्र से
सन् से।

(क) मेंढक पानी में ..... कूद गया।
(ख) नल बंद होने के बाद पानी की एक बूंद ..... च गई।

(ग) शोर होते ही चिड़िया ..... उड़ी।
(घ) ठंडी हवा ..... गुजरी, मैं ठंड में ..... काँप गया।

उत्तर-

1. मेंढक पानी में छप से कूद गया।
2. नल बंद होने के बाद पानी की एक बूंद टप से चू गई।
3. शोर होते ही चिड़िया फुर्र से उड़ी।
4. ठंडी हवा सन् से गुजरी, मैं ठंड में थर्र से काँप गया।